अमर उजाला

बरेली
बुधवार, 9 फरवरी 2022
माघ शुक्ल-अष्टमी/नवमी
विक्रम संवत-2078

Page No. 07 : Middle

स्थापना दिवस पर रिद्धिमा में सजी सुरों की महफिल

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा का एक वर्ष पूरा होने पर सुरों की महफिल सजाई गई। इसके बीच स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राममूर्ति के जीवन पर आधारित नाटक का भी मंचन किया गया। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी को उनके सामाजिक कार्यों से रूबरू कराया गया।

सुरों की महफिल में गुरु शिवांगी मिश्रा और स्नेह आशीष दुबे की मधुर आवाज ने चार चांद लगाए। इसके बाद विनायक श्रीवास्तव ने स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राममूर्ति के सरल स्वाभाव और उनकी जीवन यात्रा पर आधारित नाटक का मंचन किया। सुर संगम में राग खमाज को रिद्धिमा के गुरुओं ने वाद्य यंत्रों से पेश किया। गायक गुरु शिवांगी मिश्रा ने एक खूबसूरत गजल- दयारे दिल की रात में चराग सा जला गया... पेश कर पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया।

एसआरएमएस रिद्धिमा में सजी सुरों की महफिल। *विज्ञप्ति*

इसी कड़ी में 13 रागों से सजी खूबसूरत रागमाला स्नेहा आशीष ने पेश की। फनकारों में तबले पर शिव शंभू कपूर, सारंगी पर उमेश मिश्रा, सितार पर कुंवर पाल और आशीष कुमार ने संगत दी। ब्यूरो